



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 6—जून 12, 2015 (ज्येष्ठ 16, 1937)

No. 23]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 6—JUNE 12, 2015 (JYAISTA 16, 1937)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	345
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	523
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1455
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रबंध समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को	*

*अंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	पृष्ठ सं.
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	559
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंट्स और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	127
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	465
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के अंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.....	*

CONTENTS

Page No.		Page No.	
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	345	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	523	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1455	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	559
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	127
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	465
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2015

सं. 36-प्रेज/2015 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2015 के अवसर पर निम्नलिखित अफसर को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

उपमहानिरीक्षक विजय दिग्म्बर चाफेकर, तटरक्षक पदक (0087-वी)

2. विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 4(iv) के तहत राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (विशिष्ट सेवा) प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 37-प्रेज/2015 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2015 के अवसर पर सहायक कमांडेंट निखिल हेब्बाले (1084-एम) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

सहायक कमांडेंट निखिल हेब्बाले (1084-एम) ने 21 दिसंबर 2011 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की और अफसर वर्तमान में 842 स्क्वाइन (तटरक्षक) में स्टाफ पायलट के रूप में सेवारत हैं।

2. 18 जुलाई 2014 को, इनके स्क्वाइन ने अंधेरी, मुंबई की लोटस बिजनेस पार्क बिल्डिंग में एक प्रचंड भयावह स्थिति में फँसे संकटग्रस्त कार्मिकों के बचाव हेतु एक संकट सूचना के संबंध में प्रतिक्रिया की। अफसर को इस अभियान की योजना बनाने और उसे निष्पादन करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी। विभिन्न एजेंसियों के साथ इनके प्रभावपूर्ण समन्वय की वजह से हेलिकॉप्टर की तुरंत उड़ान सुनिश्चित की जा सकी। निरंतर वर्षा और सशक्त मानसनी हवाओं के बावजूद, अफसर ने दहकती इमारत को ढूँढ लिया तथा इमारत की छत से एक मंजिल नीचे धुँएँ और खतरनाक लपटों के बीच भाग्यधीन स्थिति में फँसे उत्तरजीवियों को देखा।

3. सहायक कमांडेंट निखिल हेब्बाले ने विरोधी परिवेश में प्रतिकूल मौसमी स्थिति का सामना करते हुए इमारत से एक फायरमैन की, अति साहसिक बचाव में सहायता की। अफसर के निपुण वायुयान संचालन, अविचलित व्यवहार और दृढ़ साहस के फलस्वरूप मिशन सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सका। अफसर ने पर्याप्त सुरक्षा में इस जीवन बचाव मिशन का निष्पादन करने में अपने रैंक और वरिष्ठता से परे जाकर यह जिम्मेदारी निभाई है। बहादुरी का इनका यह निर्भीक कृत्य प्रशंसनीय है तथा मान्यता दिए जाने योग्य है।

4. सहायक कमांडेंट निखिल हेब्बाले (1084-एम) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

5. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भूत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 38-प्रेज/2015 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस 2015 के अवसर पर परेश महान्त, उत्तम सहायक इंजीनियर (रेडियो), 07795-एस को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

परेश महान्त, उत्तम सहायक इंजीनियर (रेडियो), 07795-एस ने 01 फरवरी 1995 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. अधीनस्थ अधिकारी एक अर्हता प्राप्त पोत गोताखोर हैं तथा 29 फरवरी 2012 से तटरक्षक मरम्मत एवं उत्पादन दल, गोवा में सेवारत हैं, जो सहायक प्रभारी बंदरगाह क्रॉफट परियोजना के कर्तव्यों का निष्पादन कर रहे हैं।

3. 22 अगस्त 2014 को गोवा में बेस अंतर्राष्ट्रीय नौका सी-148 के जल फव्वारे (वाटर जेट) की प्रवेश नलिका के प्रत्येक में जड़े दो क्षति सहनकर्ता एनोडों के उपभोग हो जाने की सूचना मिली। एनोडों को बदलने के लिए, नौका को शुष्क गोदीयन (ड्राई डाक) किया जाना आवश्यक था। हालांकि, शुष्क गोदीयन की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। नौका को तटीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मिशन के लिए भी परिनियोजित किया जाना अपेक्षित था। उत्तम सहायक इंजीनियर परेश महान्त, अत्यावश्यकता को समझते हुए जलाधीन स्थिति में एनोडों को बदलने के लिए गोताखोरी अभियान हेतु स्वेच्छा से आगे आये। विद्यमान समुद्र स्थिति अर्थात् तीन से चार, समुद्र में भारी उठाव और 40-50 समुद्री मील की गति की झकझोर हवाओं के कारण गोताखोरी अभियानों को क्रियान्वित करने लिए मौसम अनुकूल नहीं था। 22 अगस्त, 2014 को लगभग 1130 बजे गोताखोरी अभियान प्रारंभ हुआ। एक संकीर्ण स्थान में लगे 12 बोल्ट वाले एनोड गोताखोर की कार्यसाधकता को सीमित कर देते हैं। इसके अलावा, जलाधीन स्थिति में किसी पर एनोडों को बदलने का प्रयास पहले कभी नहीं किया गया था और जलाधीन खराब दृश्यता एवं विपरीत मौसमी परिस्थितियों में यह कार्य किया जाना चुनौतीपूर्ण था। अपनी गोताखोरी योग्यता तथा तकनीकी कौशल के कारण, अधीनस्थ अधिकारी ने एनोडों को बदलने का कार्य, जिसमें कुल 24 नट एवं बोल्ट को हटाना और नये एनोडों को संस्थापित किया जाना शामिल था, निष्पादित किया।

4. संपूर्ण अभियान 05 घंटों तक चला, जिसमें परेश महान्त ने अनेकों बार गोते लगाये, जिसके फलस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय नौका को परिनियोजन किए जाने के लिए तैयार किया जा सका। व्यावसायिक कौशल के साथ इनके अति साहसी, जोशपूर्ण और शौर्यपूर्ण प्रयासों की बदौलत लगभग 20 लाख के राजकोष का बचाव तथा अंतर्राष्ट्रीय नौका सी-148 के शुष्क-गोदीयन जाने, जिसमें नौका को दीर्घकालिक अवधि तक असंक्रियात्मक किया जाता, को रोका जा सका।

5. आवश्यक परिस्थितियों में परेश महान्त द्वारा की गयी कर्तव्य के प्रति निष्ठा, अद्यवसायिकता, व्यावसायिकता और शौर्यपूर्ण प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय हैं।

6. परेश महान्त, उत्तम सहायक इंजीनियर (रेडियो), 07795-एस ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

7. तटरक्षक पदक करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भूत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 39-प्रेज/2015 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2015 के अवसर पर जितेन्द्र सिंह, उत्तम नाविक (रेडार प्लोटर), 06303-जैड को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

जितेन्द्र सिंह, उत्तम नाविक (रेडार प्लोटर), 06303-जैड ने 22 जनवरी 2009 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. कार्मिक 842 स्क्वाइन के साथ चेतक हेलिकॉप्टरों पर वायु कर्मी (गोताखोर), विंच ऑपरेटर और मुक्त गोताखोर के कर्तव्यों का निष्पादन कर रहा है। इन्होंने हाल ही पूर्व में स्क्वाइन द्वारा किए गए चार जीवन-बचाव अभियानों नामतः रेवडांडा तट के पास भूग्रस्त पोत 'एम वी प्रियंका' के रुपरह संकटग्रस्त सदस्यों का बचाव (14 जुलाई 2014), अंधेरी स्थित 22 मंजिली लोटस बिजनेस पार्क बिल्डिंग की छत से दहकती आग की परिस्थिति में संकटग्रस्त कार्मिकों के बचाव संबंधी भारतीय तटरक्षक का पहला अंतर्राष्ट्रीय बचाव अभियान (18 जुलाई, 2014), पोत 'एम वी स्टार इंगल' से फिलीपींस देश के एक रोगी की चिकित्सा निकासी (03 जुलाई, 2014) और पोत एम टी ओशियन क्राऊन पर हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो चीनी नागरिकों का बचाव (19 जुलाई 2014) में मुख्य भूमिका निभाई।

3. जितेन्द्र सिंह ने न केवल योजना में बल्कि इन जीवन- बचाव अभियानों के सुव्यवस्थित निष्पादन में भी मुख्य भूमिका निभाई अनवरत वर्षा, शक्तिशाली हवाओं और प्रतिकूल समुद्र स्थिति के साथ विपरीत मौसम होने के बावजूद, जितेन्द्र सिंह ने सफलतापूर्वक लक्ष्यों को प्राप्त किया। इन्होंने, चिकित्सा निकासियों के लिए विंच आपरेटर होने के नाते, अंधेरी की इमारत से फायरमैन के बचाव तथा ड्रूबर्ट मर्चेटमैन 'एम वी प्रियंका' से ग्यारह कार्मिकों के बचाव के लिए मुक्त गोताखोर के रूप में प्रत्येक मिशन के लिए विभिन्न भूमिकाओं को आत्म-विश्वास के साथ निभाया। इनके निस्वार्थ कृत्यों की बदौलत कीमती जीवनों का बचाव किया जा सका तथा इन्होंने अन्य वायु कर्मी गोताखोरों में प्रतिस्पर्धा लाने के लिए एक उदाहरण पेश किया है, जिसके फलस्वरूप सेवा की जनता एवं मीडिया की नजर में छवि में बढ़ोतरी हुई है।

4. जितेन्द्र सिंह, उत्तम नविक (रेडर प्लॉटर), 06303- जैड ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

5. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भूत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 40-प्रेज/2015 - राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2015 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं-

- i. उपमहानिरीक्षक शरद मंत्री (0007-पी)
- ii. उपमहानिरीक्षक तेक्कुम्पुरत प्रभाकरन सदानन्दन (4017-डी)
- iii. कमांडेंट हरिश हेमंत मोरे (0235-जे)

2. सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(ii) के तहत तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा) प्रदान किया जाता है

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January, 2015

No. 36-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2015 to award the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service to the undermentioned officer:-

Deputy Inspector General Vijay Digambar Chafekar, TM (0087-V)

2. The President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service award is made under Rule-4(iv) of the rules governing grant of the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 37-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Assistant Commandant Nikhil Hebbale (1084-M).

CITATION

Assistant Commandant Nikhil Hebbale (1084-M) joined the Indian Coast Guard on 21 December 2011 and is presently serving as staff pilot in 842 Squadron (Coast Guard).

2. On 18 July 2014, his squadron responded to a call for rescue of stranded personnel from a raging inferno at Lotus Business Park building in Andheri, Mumbai. He was entrusted with the planning and execution of the operation. His effective coordination with various agencies ensured quick launch of the helicopter. Despite ongoing rains and strong monsoon winds, he located the blazing building and sighted the survivors who were trapped in a precarious location one floor below the building top amidst smoke and rampaging flames.

3. Assistant Commandant Nikhil Hebbale assisted in a daredevil rescue of a fireman from the building overcoming inclement weather in hostile environment. The officer's deft aircraft handling, imperturbable demeanour and unwavering courage resulted in safe and successful accomplishment of mission. The officer shouldered responsibility well beyond his rank and seniority in executing this life saving mission whilst factoring in adequate safety. His unflinching act of bravery is praiseworthy and deserves recognition.

4. Assistant Commandant Nikhil Hebbale (1084-M) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

5. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 38-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Paresh Mahanta, Uttam Sahayak Engineer(Radio), 07795-S.

CITATION

Paresh Mahanta, Uttam Sahayak Engineer (Radio), 07795-S joined the Indian Coast Guard on 01 February 1995.

2. He is a qualified Ship Diver and is serving with Coast Guard Refit & Production Team, Goa, since 29 February 2012 carrying out duties of Assistant-in-charge Harbour Craft Project.

3. On 22 August 2014, interceptor boat C-148 based at Goa reported consumption of two each sacrificial anodes fitted in the water jet inlet duct. In order to replace the anodes, the boat was required to be dry docked. However, the dry dock was not

available. The boat was also required for deployment towards important mission of coastal security. Uttam Sahayak Engineer Paresh Mahanta considering the urgency volunteered for the diving operation to undertake replacement of anodes in afloat condition. The weather was not conducive for undertaking diving operations due to prevailing sea state i.e. three to four, heavy swell and winds gusting at 40-50 Knots. The diving operation commenced at about 1130 hours on 22 August 2014. The anodes having 12 bolts, located in a confined place limited the manoeuvrability for the diver. In addition, task of replacing anodes on a ship in afloat condition had never been attempted before and was a challenge due to poor underwater visibility and severe weather conditions. With his diving ability and technical skill, he accomplished the replacement of anodes which involved removal of total 24 nuts & bolts and installation of new anodes.

4. The entire operation lasted for 05 hours during which Paresh Mahanta undertook multiple dives, resulting in the interceptor boat being ready for deployment. His daring, courageous and valiant efforts clubbed with professional skills saved exchequer of approx Rs. 20 lakhs and avoided the dry docking of Interceptor Boat C-148 which could have made the boat non operational for prolonged period.

5. The devotion to duty, perseverance, professionalism and brave efforts in demanding circumstances by Paresh Mahanta are highly laudable.

6. Paresh Mahanta, Uttam Sahayak Engineer(Radio), 07795-S has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

7. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 39-Pres/2015- The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Jitendra Singh, Uttam Navik(Radar Plotter), 06303-Z.

CITATION

Jitendra Singh, Uttam Navik(Radar Plotter), 06303-Z joined the Indian Coast Guard (ICG) on 22 January 2009.

2. He is carrying out the duties of Air Crew Men (Diver) along with Winch Operator and Free Diver on Chetak helicopters with 842 Squadron. He played a major role in four life-saving operations undertaken by the squadron in the recent past namely, rescue of eleven stranded crew members of 'MV Priyanka' grounded off Revdanda coast (14 July 2014), first ever inland ICG rescue mission of stranded personnel atop 22-storeyed Lotus Business Park, Andheri (18 July 2014) under blazing fire, medical evacuation of a patient of Philippines national ex 'MV Star Eagle' (03 July 2014) and rescue of two Chinese nationals seriously injured in an accident onboard MT Ocean Crown (19 July 2014).

3. Jitendra Singh played an anchoring role not only in planning but also in methodical execution of these life-saving missions. Despite adverse weather with incessant rain, strong winds and unfavourable sea states, Jitendra Singh accomplished the goals successfully. He donned different roles for each mission with aplomb, being winch operator for Medical Evacuations and being free diver for rescue of fireman from Andheri building and rescue of eleven personnel from sinking merchantman 'MV Priyanka'. His selfless acts have resulted in saving precious lives, set an example for other Air Crew Divers to emulate and have greatly enhanced the image of the service in the eyes of the public and the media.

4. Jitendra Singh, Uttam Navik(Radar Plotter), 06303-Z has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

5. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 40-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:-

- (i) Deputy Inspector General Sharad Mantri (0007-P)
- (ii) Deputy Inspector General Thekkumpurath Prabhakaran Sadanandan (4017-D)
- (iii) Commandant Harish Hemant More (0235-J)

2. The Tatrakshak Medal (Meritorious Service) award is made under 11(ii) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President